

शहर में बढ़ती चाकूबाजी की घटना को लेकर पुलिस को दिया ज्ञापन



समय जगत, इटारसी। शहर में लगातार बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाओं पर तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर वाल्मीकि समाज के पदाधिकारियों ने एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वाल्मीकि समाज के पटेल भाजपा नेता दिलीप मैना ने कहा कि इटारसी शहर में पिछले कुछ दिनों से लगातार चाकूबाजी की घटनाएं सामने

आ रही हैं, जिससे पूरे शहर में भय, असुरक्षा एवं आक्रोश का वातावरण व्याप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि गत शुक्रवार से आज दिनांक तक शहर में 5 गंभीर चाकूबाजी की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। सबसे अधिक चिंताजनक बात यह है कि प्रारंभिक घटनाओं में 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के नाबालिग किशोरों का नाम सामने आया है।

धारमें किसानों के लिए बड़ा दिन, बैंक ऑफ इंडिया ने बांटे 35 करोड़ के कृषि ऋण, आधुनिक खेती को मिला नया बल

अल्ताफ खान, धारा। अब खेती सिर्फ हल और बैल तक सीमित नहीं रही। ड्रोन, मशीन और आधुनिक तकनीक से लैस होकर धार का किसान नई पहचान बना रहा है। इसी बदलती तस्वीर को और मजबूती देने के लिए बैंक ऑफ इंडिया ने किसान दिवस का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक सतीश कुमार, कृषि विभाग की सहायक संचालक संगीता तोमर, ऑंचलिक प्रबंधक अखिलेश कुमार, उप ऑंचलिक प्रबंधक अरुण कुमार जैन, देवानंद गुप्ता और जिला अग्रणी प्रबंधक बलराम बैरागी की मौजूदगी में किसानों के साथ सीधा संवाद हुआ।

महाप्रबंधक सतीश कुमार ने साफ कहा कि आने वाला समय तकनीक आधारित खेती का है। ड्रोन, स्मार्ट मशीनों और आधुनिक उपकरणों के बिना खेती की प्रतियोगिता में टिक पाना मुश्किल होगा। उन्होंने किसानों को नई तकनीक अपनाने, डिजिटल बैंकिंग का उपयोग बढ़ाने और

योजनाओं का पूरा लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सहायक संचालक संगीता तोमर ने भी किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक, वैज्ञानिक खेती और नई कृषि पद्धतियां न सिर्फ उत्पादन

बढ़ाती हैं, बल्कि लागत भी कम करती हैं, जिससे किसान की आमदनी में सीधा फायदा होता है। कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि रही करीब 35 करोड़ के कृषि ऋण का वितरण। किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि वाहन, ड्रोन व आधुनिक कृषि यंत्र, पॉलीहाउस और अन्य योजनाओं के तहत दिए गए इन ऋणों ने किसानों को नई दिशा दी। ऋण मिलने के बाद किसानों के चेहरों पर जो आत्मविश्वास दिखा, वही इस आयोजन की असली सफलता रही। किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और आधुनिक खेती को अपनाने के लिए

उत्साह जताया। कार्यक्रम के बाद महाप्रबंधक सतीश कुमार ने बीसी च्याइट का निरीक्षण किया और ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर किसान तक तकनीक और बैंकिंग सुविधा पहुंचाना ही असली लक्ष्य है। समापन में उप ऑंचलिक प्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भरोसा दिलाया कि बैंक ऑफ इंडिया आगे भी किसानों को आधुनिक खेती, ड्रोन तकनीक और मशीनरी से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार काम करता रहेगा। धार का यह आयोजन एक सफर संदेश दे गया— अब खेती बदलेगी, तकनीक के साथ-अब छोटे बड़ेगी और किसान नई ऊंचाइयों को छुएगा।

नशे की लत भविष्य छीन लेती है, विद्यार्थी अपने लक्ष्य पर रखें फोकस : थाना प्रभारी

नशे से दूरी है जरूरी जागरुकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ



समय जगत, पचोरा। किशोरावस्था में लिया गया गलत फैसला पूरे भविष्य को अंधकार में धकेल सकता है। विद्यार्थी नशे जैसी बुराई से दूर रहें। पढ़ाई को प्राथमिकता दें। अपने सपनों को आगे रखें। इसी संदेश के साथ शनिवार को शहर के विभिन्न स्कूलों में नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक दुष्परिणाम बताए। विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली

अपनाने का संकल्प दिलाया गया। थाना प्रभारी शकुन्तला बामनिया ने कहा, नशा किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी कमजोरी बन जाता है। यह शरीर को खोखला करता है। सोचने-समझने की क्षमता पर असर डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, जीवन में सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय करें। अनुशासित दिनचर्या अपनाएं। गलत संगति से बचें। उन्होंने कहा, आज का विद्यार्थी ही कल का जिम्मेदार नागरिक है। समाज को नशामुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका

सबसे महत्वपूर्ण है। एसआई द्वारा दिलाई गई ऑटो चालकों को नशामुक्ति की शपथ: बस स्टैंड पर रविवार को एस आई अशोक भगत सहित स्टॉप के ऑटो चालकों को नशे के दुष्परिणाम बताए श्री भगत ने कहा कि , नशे की लत याददाश्त कमजोर कर देती है। इससे मानसिक तनाव बढ़ता है। अवसाद का खतरा रहता है। कई गंभीर बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, नशे से पारिवारिक रिश्तों में दरार आती है।

आर्थिक नुकसान होता है। समाज में सम्मान भी कम हो जाता है। , खुद नशे से दूर रहें। मित्रों को जागरूक करें। परिवार के लोगों को भी इसके प्रति सचेत करें। विद्यार्थियों की रही उत्साहपूर्ण सहभागिता : सदीप यादव, प्रवीण अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, विद्यालय का स्टॉप तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का भरोसा भी दिलाया।

115 युवाओं की बाइक यात्रा कुण्डलपुर के लिए रवाना



समय जगत, सिलवानी। विश्व प्रसिद्ध दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कुण्डलपुर में विराजमान बड़े बाबा श्री आदिनाथ भगवान के अभिषेक एव वंदना के लिए अखण्ड दिगंबर जैन समाज सिलवानी के युवाओं की दो दिवसीय बाइक यात्रा दल रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुई। करीब 115 युवा इस धार्मिक यात्रा में शामिल हुए। प्रस्थान से पूर्व सभी यात्रियों ने नगर के पारसनाथ जिनालय में भगवान के दर्शन, पूजा-अर्चना संपन्न कर सफल यात्रा की कामना की। यात्रा प्रारंभ होने से पहले समाजजनों ने सभी यात्रियों के ललाट पर चंदन का लिलक लगाकर उनका स्वागत किया तथा सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। दोपहिया वाहनों पर

लहलहाती धर्म ध्वजाएं और भगवान के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। युवाओं का यह उत्साह पूर्ण काफिला नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। द्वितीय वर्ष आयोजित इस बाइक यात्रा का संचालन गोलू बजाज, नीतेश वैद्य एवं पिंटू पटेल के नेतृत्व में किया जा रहा है। कुंडलपुर यात्रा आयोजन समिति ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं को धर्म से जोड़ना, समाज में आध्यात्मिक चेतना को धर्म से जोड़ना, समाज में आध्यात्मिक चेतना को प्रसार करना तथा भटके हुए लोगों को धर्म मार्ग की ओर प्रेरित करना है। यात्रा के प्रथम दिन रविवार को दल सिलवानी से सुल्तानगंज, सागर, बंडा, नैनागिर एवं सुखाजी होते हुए पश्चरिया पहुंचा, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा।

बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किसानों को संदेश आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती और सिंचाई विस्तार से बनेगा समृद्ध मध्य प्रदेश

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि टांटया मामा के पुरुषार्थ एवं वीर झंझू भील की कर्मभूमि झाबुआ जनजातीय संस्कृति और समृद्ध कृषि परंपराओं का गौरवशाली जिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व में झाबुआ जिला



विक्रम विश्वविद्यालय के अंतर्गत आता था, इसलिए यह जिला सदैव उनके मन के करीब रहा है। झाबुआ के भुंछे का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस मौसम में यहां के भुंछे का आनंद ही अलग है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर वरचुंअल माध्यम से किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ण्णकृतिक खेती के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया

योजनाओं के माध्यम से डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में 760 से अधिक तालाबों का विकास किया गया है, जिनमें लगभग तीन हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगदी फसल के रूप में कपास उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खरीफ 2026 में अब तक जिले में 23 हजार 230 हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की बोवाई हो चुकी है, जो पिछले वर्ष के 19 हजार 888 हेक्टेयर की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि धार जिले के बदनाम स्थित पीपुस मित्रा पार्क से झाबुआ के कपास उत्पादक किसानों को खेत से कारखाने तक की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों की आय, रोजगार एवं औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

विजय वर्मा, सुनील राय और केशव देव वर्मा की अगुवाई में कायस्थ समाज ने रोपे पौधे, दिया 'एक पेड़ मां के नाम' का संदेश

समय जगत, नर्मदापुरम। पर्यावरण को नया जीवन देने और हरियाली की चादर ओढ़ाने के संकल्प के साथ रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ समाज द्वारा एक अनूठी पहल की गई। स्थानीय नगरपालिका पार्क में मातृशक्ति और पुरुष वर्ग ने मिलकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण किया। इस पूरे गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार और प्रमुख वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त अधिकारी विजय वर्मा, वरिष्ठ सदस्य सुनील राय और केशव देव वर्मा मौजूद रहे, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण का पुजोत्तर संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य किरदारों ने अपने उद्बोधन से वहां मौजूद सभी लोगों को प्रेरित किया। सेवानिवृत्त अधिकारी विजय वर्मा ने पर्यावरण और जीव-जंतुओं के अंतर्संबंध को समझाते हुए कहा कि एक पौधे सिर्फ ईंसानों को ऑक्सीजन नहीं देते। बल्कि फलदार पौधे बेजुबान पशु-पक्षियों का मुख्य आहार



और आश्रय भी बनते हैं। जब इन पौधों में फल आएंगे तब पक्षी इनका रसपान करेंगे। बारिश के इस सुहावने मौसम में मातृशक्ति द्वारा उड़ाई गई यह पहल बेहद सराहनीय है। हर नागरिक को आगे आकर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। सुनील राय ने पर्यावरण संतुलन पर जोर देते हुए मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि एक प्रकृति से हमें जो शुद्ध वायु ऑक्सीजन और छाया मिलती है, उसका कर्ज हमें वृक्षारोपण करके ही चुकाना होगा। आज के समय में शुद्ध पर्यावरण ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। पुरुषोत्तम वर्मा एवं श्रीमती सुमन वर्मा मुहिम की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को इस कार्य के लिए

सदैव एकजुट रहने की बात कही। पार्क में रोपे गए विविध प्रजातियों के पौधे इस अभियान के तहत पार्क में विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। इनमें मुख्य रूप से बेलपत्र, जामुन, नीम और चीकू जैसी प्रजातियों के पौधे शामिल रहे। उपस्थित जनों ने केवल पौधा लगाने की रस्म नहीं निभाई बल्कि उनके बड़े होने तक देखभाल करने की जिम्मेदारी भी ली। समाज के प्रबुद्ध जन रहे साक्षी इस बड़े अभियान में नगरपालिका उपाध्यक्ष अमर्य वर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में ऋतु श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति खरे, ज्योति वर्मा अशोक वर्मा, श्रीवास्तव, मनोज वर्मा, श्रीमती ममता तिवारी, आरित्य खरे, गुनगुन खरे, सीबी खरे, प्रत्यक्ष खरे, जानकी मनोज वर्मा, महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचा, जहां सहित भारी संख्या में अखिल भारतीय कायस्थ समाज के लोग उपस्थित थे।

सारंगपुर के इतिहास में पहली बार मुनि श्री 108 प्रवरसागर जी महाराज का चातुर्मास, भव्य मंगल अगवानी में उमड़ा जनसैलाब

समय जगत, सारंगपुर। नगर के इतिहास में पहली बार परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रवरसागर जी महाराज के चातुर्मास का शुभ अवसर प्राप्त होने पर रविवार को सकल दिगम्बर जैन समाज एवं चातुर्मास सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य मंगल अगवानी निकाली गई। नगर के प्रमुख मार्गों पर हजारों श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारी बंधुओं ने पुष्पवर्षा कर गुरुदेव का भावभीना स्वागत किया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास एवं भक्ति का वातावरण बना रहा।



भव्य मंगल अगवानी का शुभारंभ श्री महावीर दिगम्बर जैन कीर्ति स्तंभ से हुआ। चल समारोह ए.बी. रोड, नया बस स्टैंड, भेरु दरवाजा, जोशी दवाखाना, त्रिपेलिया बाजार, अंबे माता मंदिर, जामा मस्जिद, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर होते हुए श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचा, जहां धर्मसभा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मार्ग में सेवा सदन, हिंदू उत्सव

समिति, सर्व ब्राह्मण समाज, राठौर समाज, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ललित पालीवाल, राजू सोनी, सजजन सोनी सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने स्वागत द्वार बनाकर एवं पुष्पवर्षा कर गुरुदेव का अभिनंदन किया। चल समारोह में विधायक प्रतिनिधि पृथ्वीराज टेटवाल, हिंदू उल्लव समिति अध्यक्ष ध्रुव भट्ट, भाजपा अध्यक्ष अश्वथ महेश पुप्पद, महामंत्री श्री राठौर, नगरपालिका उपाध्यक्ष भावना वर्मा, निलेश

वर्मा, अशोक श्रीमाल, प्रियंक श्रीमाल, शिखर जैन, सुधीर श्रीमाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ललित पालीवाल, प्रदीप सादानी, उपस्थित थे। अनेक मंगल प्रवचन में पूज्य मुनि श्री 108 प्रवरसागर जी महाराज ने कहा कि सारंगपुर में प्रथम चातुर्मास होना समाज के पुण्य का प्रतिफल है। नई पीढ़ी ने चातुर्मास काने का जो संकल्प लिया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से चातुर्मास के दौरान पूजा, स्वाध्याय, तप, संयम एवं धर्म

आराधना के माध्यम से आत्मकल्याण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चातुर्मास की सफलता सभी की सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी निभाने से ही संभव होगी। गुरुदेव ने कहा कि श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के मूलनायक भगवान एवं अन्य जिनबिंबों को पूर्ण कमलासन पर विराजमान किए जाने के बाद सारंगपुर में संतों का आगमन निरंतर बढ़ा है। उनका स्वयं का चातुर्मास करने का विचार नहीं था, लेकिन सारंगपुर नगर के पुण्योदय से यह चातुर्मास यहां संपन्न हो रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन मयंक जैन ने किया। अंत में चातुर्मास सेवा समिति के अध्यक्ष अनिल जैन ने भव्य मंगल अगवानी में शामिल सभी समाजजनों, बाहर से पधारे श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारी बंधुओं तथा श्वेतांबर एवं स्थानक समाज का आभार व्यक्त किया।

न्यायपालिका को पूर्ण रूप से आरटीआई के दायरे में लाने पर मंथन

समय जगत, रीवा। सूचना के अधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषज्ञों की एक महत्वपूर्ण बैठक (317^{वीं} आरटीआई मीट) में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि क्या भारतीय न्यायपालिका को पूरी तरह से आरटीआई अधिनियम के दायरे में लाया जाना चाहिए। जूम प्लेटफॉर्म में आयोजित इस डिजिटल बैठक में न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने जैसे संवेदनशील विषयों पर व्यापक विमर्श किया गया। बैठक के दौरान विशेषज्ञों ने न्यायपालिका में पारदर्शिता के पक्ष और विपक्ष में कई मजबूत तर्क रखे। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि जहाँ एक तरफ कॉलेजियम प्रणाली में भ्रष्टाचार और भाई-

भतीजावाद जैसी आशंकाओं को दूर करने के लिए पारदर्शिता आवश्यक है, वहीं दूसरी तरफ जजों की नियुक्ति और आंतरिक चर्चाओं (कॉलेजियम बैठकों) की गोपनीयता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से सुझाव दिया कि एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए अदालत के प्रशासनिक कार्यों, बजट और रिक्तियों से जुड़ी जानकारीयों को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। हालांकि, जजों की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया और संवेदनशील जानकारीयों को आरटीआई अधिनियम की विशेष धाराओं जैसे धारा 8 के तहत संरक्षित रखा जा सकता है।

उत्तराखंड के आरटीआई रिसोर्स पर्सन एवं कंयूटर विभाग प्रमुख वीरेंद्रकुमार ठक्कर ने वर्ष

2010 से 2023 के बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए 11 ऐतिहासिक फैसलों का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इनमें मुख्य रूप से शामिल रहे। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नौ साल के लंबे विचार-विमर्श के बाद माना था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय भी एक पब्लिक अथॉरिटी है

और यह आरटीआई के दायरे में आता है। जिसमें आरटीआई अधिनियम के तहत मांगी जा सकने वाली सूचनाओं के दायरे और सीमाओं को स्पष्ट



किया गया था। चर्चा में उन फैसलों का भी संदर्भ दिया गया जहाँ सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की विस्तृत चिकित्सा या वित्तीय जानकारी

मारपीट के मामले में पांच आरोपीगणों को न्यायालय ने सुनाया 3 वर्ष का सश्रम कारावास

रीवा। न्यायालय चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश रीवा समक्ष श्री संतोष कुमार तिवारी के न्यायालय में विचाराधीन सत्र प्रकरण क्र. 168/2023 शासन म.प्र.जरिये थाना रायपुर कर्चुलियान में पंजीबद्ध प्रकरण बनाम आदित्य प्रसाद तिवारी वगैरह के प्रकरण में आरोपी आदित्य प्रसाद तिवारी तनय रामायणशरण तिवारी उम्र 52 वर्ष पेशा खेती, सौरभ कुमार तिवारी उम्र 21 वर्ष पिता आदित्य प्रसाद तिवारी, गौरव तिवारी उम्र 20 वर्ष पिता आदित्य प्रसाद तिवारी, निखिल तिवारी उम्र 18 वर्ष पिता आदित्य प्रसाद तिवारी, अभिषेक तिवारी उम्र 26 वर्ष पिता लवकुश तिवारी, सभी निवासी ग्राम पुरास पो.महसाव थाना रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा के विरुद्ध विचाराधीन प्रकरण में पांचो आरोपीगणों को धारा 324, 323/34 के अपराध में सिद्ध दोष पाते हुए धारा 324 भादवि 3 वर्ष का सश्रम कारावास व दो-दो हजार रुपये अर्थदण्ड एवं धारा 323/34 में छःमाह का सश्रम कारावास एवं एक-एक हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया अर्थदण्ड न जमा करी के स्थिति में धारा 324 में तीन-तीन माह व 323/34 में एक-एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक/ शास. अधि. डी.एन.मिश्रा ने बताया कि घटना दिनांक 22.6.2023 ग्राम पुरास की है।

छात्रों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही झिरिया छात्रावास पहुंचे कलेक्टर

समस्याओं के तत्काल समाधान के दिए निर्देश



समय जगत, रीवा। रीवा शहर के झिरिया स्थित छात्रावास के छात्रों द्वारा मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर कलेक्टर आवास का घेराव करने की सूचना मिलने पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी स्वयं छात्रावास पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण कर छात्रों से सीधे संवाद किया। निरीक्षण के दौरान छात्रों ने पेयजल की गंभीर समस्या उठाई। छात्रों ने बताया कि छात्रावास में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कलेक्टर ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को टैकर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिसके बाद छात्रों के लिए पानी की व्यवस्था कराई गई। कलेक्टर ने छात्रावास की भोजन व्यवस्था, रसोई, छात्रों के कमरों, बिजली, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने छात्रावास अधीक्षक एवं तहसीलदार को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए और व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि छात्रावास में कुछ बाहरी लोग रह रहे थे। इस पर कलेक्टर ने उन्हें तत्काल छात्रावास खाली करने के निर्देश देते हुए कहा कि छात्रावास केवल प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए है और बाहरी लोगों की मौजूदगी से छात्रों को असुविधा होती है तथा अनुशासन प्रभावित होता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर मिल सकें।

सार-समाचार

जनता से किए वादों से मुकर चुकी है सरकार: राहुल सिंह



समय जगत, विदिशा। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल भैया के रविवार को विदिशा आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बायापास चौराहे पर भव्य आगवानी कर स्वागत किया। इसके बाद अनेक स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। राहुल भैया जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, वहां पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। वहीं शहनाई गाईन में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री पंकज जैन द्वारा आयोजित रंगमठ एवं कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने पूरे कार्यक्रम को कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन के रूप में बदल दिया। कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अजय सिंह राहुल भैया ने कार्यकर्ताओं के उत्साह की सरहना करते हुए कहा कि विदिशा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ऊर्जा पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले बोलते हुए कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बर्हाली और भ्रष्टाचार से ब्रस्त है, जबकि सरकार जनहित के मुद्दों से पूरी तरह विमुख हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनता से किए अधिकारों वादे पूरे नहीं किए और केवल प्रचार की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही प्रदेश को न्यायपूर्ण, विकासोन्मुख एवं जनहितकारी दिशा दे सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूध स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने तथा कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 54 मामलों का आपसी समझौते से हुआ निराकरण

समय जगत, रीवा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार रीवा जिला न्यायालय में चेक बाउंस के मामलों के त्वरित निपटारे के लिए गत दिवस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राकेश मोहन प्रधान के कर कमलों द्वारा विशेष लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से लंबित विवादों को समाप्त करना था। विशेष लोक अदालत के दौरान चेक बाउंस से संबंधित कुल 82 प्रकरणों को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए रेफर किया गया था। दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई चर्चा और विधिक सलाहों के बाद इनमें से 54 मामलों का मौके पर ही सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया। इस सफल समझौते के तहत कुल 1,05,32,925 रुपये की समझौता राशि के अधिनिर्णय पारित किए गए। विशेष लोक अदालत के कोर्डिनेटर व जिला न्यायाधीश श्री मोहित कुमार, जिला न्यायाधीश श्री वारीन्द्र कुमार तिवारी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती शिवानी शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र, जिला रजिस्ट्रार श्री पन्ना नारायण, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शोलेन्द्र रेवकार, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा, एलएडीसीएस वीफ श्री सुरेंद्र सिंह और एलएडीसीएस अरिंसटेट श्रीमती आरती तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रही।

सिरमौर मुख्यालय में अफसरों के नहीं रहने की शिकायत, उच्चस्तरीय जांच की मांग

रीवा। सिरमौर के जागरूक आम नागरिक मंच ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (सामान्य प्रशासन), रीवा संभाग के आयुक्त एवं कलेक्टर रीवा को संयुक्त ज्ञापन भेजकर सिरमौर मुख्यालय में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मुख्यालय पर नियमित रूप से निवास नहीं करने संबंधी शिकायतों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सिरमौर अनुभाग, तहसील, जनपद पंचायत, नगर परिषद, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा अन्य विभागों के कई जिम्मेदार अधिकारी कथित रूप से मुख्यालय में नियमित निवास नहीं करते, जिसके कारण आम नागरिकों को राजस्व, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, कृषि एवं अन्य शासकीय कार्यों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई मामलों में लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला एवं संभागीय अधिकारियों तक पहुंचना पड़ता है।

मंच का कहना है कि यदि अधिकारी मुख्यालय में नियमित रूप से उपलब्ध रहें तो शासन की जनकल्याणकी योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंचेगा तथा आकस्मिक परिस्थितियों में प्रशासन भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगा। ज्ञापन में जिन अधिकारियों के संबंध में शिकायतों का उल्लेख किया गया है, उनमें एसडीएम दृष्टि जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (प्रभार) प्राची चौबे,

तहसीलदार विंध्य मिश्रा, नायब तहसीलदार बिंदु तिवारी एवं ललन सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा शर्मा, कृषि विकास अधिकारी बी.पी. सिंह, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के उपयंत्री ज्ञानेंद्र द्विवेदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचडी) के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री, टोंस हाइडल कॉरपोरेशन (टीएचसी) के अधीक्षक यंत्री (सिविल) अंबिका शरण दुबे तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरमौर के बीएमओ डॉ. आनंद पाण्डेय शामिल हैं। मंच ने ज्ञापन में मांग की है कि इन शिकायतों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा जांच के दौरान संबंधित अधिकारियों के पिछले एक वर्ष के उपस्थिति रजिस्टर, अवकाश अभिलेख, भ्रमण कार्यक्रम, निरीक्षण डायरी, शासकीय आवास आवंटन एवं उपयोग, सरकारी वाहन लॉगबुक तथा मुख्यालय में वास्तविक निवास की औचक सत्यापन कराया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि जांच में कोई अधिकारी बिना सक्षम अनुमति मुख्यालय से बाहर निवास करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध प्रचलित सेवा नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मुख्यालय में नियमित निवास सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को समय पर शासकीय सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

जिलेभर में हार्टफुलनेस सत्र के साथ थानों की त्यवस्थाओं का हुआ मूल्यांकन

पुलिस अधीक्षक ने थाना नटेरन का निरीक्षण के साथ की कार्यो की समीक्षा

विदिशा। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के नेतृत्व में रविवार को जिले के समस्त थाना/चौकी, पुलिस लाइन एवं पुलिस कार्यालयों में प्रत्येक रविवार थाना परिवार थीम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के साथ हुई। इसके उपरांत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्चुअल माध्यम से हार्टफुलनेस योग एवं ध्यान सत्र से जुड़े, जहां सूक्ष्म व्यायाम, योग मुद्राओं, प्राणायाम, रिलैक्सेशन एवं सामूहिक ध्यान का अभ्यास कराया गया। साथ ही ध्यान का अभ्यास पुस्तक का वाचन भी किया गया। ध्यान सत्र के माध्यम से तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच, आत्मअनुशासन एवं कार्य क्षमता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।



पुलिस कर्मियों को नियमित योग, प्राणायाम एवं ध्यान को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। ध्यान सत्र के उपरांत थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थानों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं उपलब्ध

संसाधनों की समीक्षा की गई। संबंधित ध्यान को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों (एसडीओपी) द्वारा भी थानों का निरीक्षण कर अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण, जनसुनवाई, महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण, कानून-

व्यवस्था तथा अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक श्री अतुल सिंह ने थाना काररिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ योग एवं ध्यान सत्र में सहभागिता की तथा अपराधों एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। वहीं एसडीओपी कुरवाड़ रोशनी सिंह ने थाना पथरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ध्यान सत्र में सहभागिता की तथा अपराधों, लंबित प्रकरणों एवं थाना कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी कड़ी में रविवार को पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना नटेरन का निरीक्षण किया।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में एआई प्रशिक्षण संपन्न

विदिशा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 40 शिक्षकों को एआई प्रशिक्षित किया गया। जिसमें माइक्रोसॉफ्ट 365 को-पायलट की विस्तार से जानकारी दी गई और इसके उपयोग के बारे में शिक्षकों को तैयार किया गया। वहीं माइक्रोसॉफ्ट एलीवेट फोर एजुकेंटर एवं माइक्रोसॉफ्ट वर्न पर विशेष सत्र लिया गया। इस समस्त प्रक्रिया में 36 शिक्षकों ने सफलता प्राप्त की और कुछ शिक्षकों ने प्रमाण पत्र की प्राप्त किया। विजय श्रीवास्तव ने अपने अनुभव साझा किया। छात्र-छात्राओं के लिए सभी सक्सेवटों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित शिक्षक के क्षेत्र में बहुत सारा कार्य करने के लिए और हर क्षेत्र की जानकारी मिलेगी, साइबर क्राइम की जानकारी भी साझा की।

संपादकीय

प्रौद्योगिकी निर्माण में देश को मिल रही है ऐतिहासिक सफलता

भारत देश आज प्रगति के हर मोर्चे पर तेजी से सफलता प्राप्त कर रहा है। दिनांक 1८ जुलाई को भारत में निजी क्षेत्र के पहले ऑर्बिंटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का 1५ जुलाई से लागू होना,20 जुलाई से 1३ अगस्त प्रारंभ होने वाला संसद का मानसून सत्र,पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका संघर्ष का विस्तार तथा होरमुजु क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव,साथ ही ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट जैसे घटनाक्रम केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह,ऊर्जा कीमतों,मुद्रा बाजार, निवेश विश्वास और आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। जिस पर पूरे विश्व की निगाहें हैं। सरकार के अनुसार भारत का अंतरिक्ष उद्योग २0३0 तक लगभग ४०-४५ अरब डॉलर और २0४० तक 1०0 अरब डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। इससे एयरोस्पेस, रक्षा,इलेक्ट्रॉनिक्स,सैटेलाइट सेवाओं,कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में दीर्घकालिक निवेश आकर्षित होने की संभावना है।विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत है कि भारत केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उच्च प्रौद्योगिकी निर्माण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। 1५ जुलाई से भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।वस्त्र,ऑटो कंपोनेंट फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग, कृषि-प्रसंस्करण, रत एवं आभूषण तथा आईटी सेवाओं को बेहतर बाजार मिलने की संभावना है। यदि निर्यात बढ़ता है तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि हो सकती है,जिसका सकारात्मक प्रभाव शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है।साथ ही विदेशी कंपनियों का भारत में निवेश बढ़ने से रोजगार, उत्पादन और कर संग्रह में भी वृद्धि संभव है।20 जुलाई से 1३ अगस्त तक प्रस्तावित संसद का मानसून सत्र निवेशकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा क्योंकि इस दौरान कर सुधार,एमएसएमई,निवेश, बैंकिंग तथा अन्य आर्थिक विधेयों पर चर्चा और निर्णय संभावित हैं। यदि सुधारवादी नीतियां आगे बढ़ती हैं तो बाजार इसे सकारात्मक संकेत के रूप में देख सकता है। तकनीक व व्यावसायिक क्षेत्र में देश का बढ़ रहा वैश्विक प्रभाव सही मायने में देश की वैश्विक प्रतिष्ठा का सूचक है।

मुरादनगर में विपक्षियों पर गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दीपक कुमार त्यागी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिह्न होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने १७ जुलाई की सप्ति लगभग ४.३० बजे मुरादनगर के तेजपाल सिंह त्यागी कुशल पाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण किया। भारतीय जनता पार्टी के मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने अपने पिता की स्वर्णिम अममोल यादों को संजोने के लिए एक भव्य अनावरण समारोह का आयोजन किया। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ७८६८ करोड़ से अधिक लागत की ९० विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पहुंच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिह्न होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। यहां आपको बता दें कि लोकप्रिय जननेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी किसी परिचय व सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी निर्भीक, बेबाक, जनसेवा सर्वोपरि वाली कार्यशैली के दम पर जनता की अदालत में जीवन पर्यंत विशेष प्रेम पाते हुए विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने का कार्य किया था। राजपाल त्यागी ने अपने द्वारा किया गये विकास कार्यों के दम पर जनता की अदालत में जीवित रहते हुए ही विकास पुरुष खिताब हासिल करने का कार्य कर लिया था, जोकि सांजजनिक जीवन में बहुत बड़ी अममोल उपलब्धि थी। राजपाल त्यागी ने जीवन पथ पर आम जनमानस के बीच व राजनीतिक गतिधारा में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए सफल राजनेता बनने का मुकाम बखूबी हासिल किया था, जो किसी भी राजनेता को बहुत ही मुश्किल से हासिल होता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की लोकप्रिय का आत्मय यह था कि वह मुरादनगर विधानसभा से कांग्रेस, सपा व बसपा के टिकट के साथ-साथ निर्दलीय के रूप में छह बार विधायक चुने गए थे। ८० वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाव १८ जुलाई २०२५ को जब राजपाल त्यागी का निधन हो गया था, तो उस वक्त खराब मौसम व कांवड़ यात्रा में रास्ते बद होने के बावजूद भी उनको अंतिम विदाई देने के लिए हिंडन रमशान घाट पर भारी संख्या में जन सैलाव उमड़ पड़ा था।

पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की खूबी थी कि वह अपने राजनीतिक सफर में केवल चुनावों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित कर रखा था। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह क्षेत्र के अधिकतर लोगों को नाम से जानते थे और वह अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर के आगे खड़े नजर आते थे, कोई भी व्यक्ति जब उनकी चौखट पर किसी कार्य को लेकर आता था तो वह कभी भी निराश होकर वापस नहीं आता था। आम जनमानस के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह मुरादनगर क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के रूप तक भी चुनें जाते थे, वह एक व्यवहार कुशल, विकास पुरुष राजनेता के रूप में लोगों को याद आते हैं। वह क्षेत्र में राजनीति के पुरोधा माने जाते हैं, क्षेत्र की आम जनता के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र से वह ६ बार विधायक चुने गए थे और अपनी लोकप्रियता व कार्यों के दम पर वह उत्तर सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बने। वहीं आज के संदर्भ में अहम बात यह है कि फिलहाल मुरादनगर से भारतीय जनता पार्टी से राजपाल त्यागी के छोटे बेटे अजीत पाल त्यागी लगातार दो बार से विधायक हैं, वह भी अपने पिता राजपाल त्यागी के नक्शे कदम पर चलते हुए उनके विचारों को संजोने का कार्य बखूबी करते हुए अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य भी बखूबी कर रहे हैं।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर स्वर्गीय राजपाल त्यागी के भाई यशपाल त्यागी, पुत्र गिरीश त्यागी, पुत्र अजीत पाल त्यागी, भतीजे राजीव त्यागी व अधिकक त्यागी व अन्य सभी परिवज, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांडव व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रतिमा अनावरण व जनसभा के कार्यक्रम में मंत्री सुनील कुमार शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, मेयर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता बंसल त्यागी, सांसद अलुल गर्ग, सांसद राजकुमार सांगवान, विधायक मंजू सिवाच, विधायक नंद किशोर गुर्जर, विधायक संजीव शर्मा, एमपलसी दिनेश गोयल, पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह गुर्जर व बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि, राजनेता, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य लोगों व हजारों की संख्या में राजपाल त्यागी के प्रशंसक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

{ विचार पीठ }

संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में नजरिया

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष १९२५ में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक

ललित गर्ग

प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जानू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसात्म्य संगठन है, जो हर मोड़ पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी। सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पाठता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम्- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनेखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। आज एन०त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का



लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भों एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन धर्मों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-२०४७, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के

इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

अधुनी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेताया है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। एआई विकास की गति को धीमा करने की जरूरत है। किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नजर डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता है—अक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज़ और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है।

दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि अपने वाले दो किशोर वे अभी ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। कंपनी ने इस संभावना को ‘रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट’ नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो



एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित ‘इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन’ या ‘बुद्धिमत्ता विस्फोट’ का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है। आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सोधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी एआई पहले से निर्माताओं ने भी नहीं की होती। हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक ‘ब्लैक बॉक्स’ बनी रहे। एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाजार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं। देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाजार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुनः कौशल, अप-स्किलिंग

और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी। एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाज़ार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है। इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत जैसे देशों को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। लेकिन हर शक्तिशाली तकनीक की तरह इसके साथ भी जोखिम जुड़े हुए हैं। एंथ्रोपिक की चेतावनी को तकनीक-विरोधी दृष्टिकोण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि एक जिम्मेदार आत्मसंमंथन के रूप में समझना चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या हम इसे सुरक्षित, पारदर्शी, नैतिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित कर पाएंगे। यदि हम समय रहते उचित सुरक्षा उपभोक्ता नहीं अपनाते, तो संभव है कि भविष्य में हम ऐसी तकनीक के सामने हों, जिसे हमने बनाया तो हो, लेकिन नियंत्रित न कर सकें।

आतंकवादी हिंसा को रोकने के लिए जवाबदेही का भाव है जरूरी

गौतम चौधरी

आज दुनिया जिस सबसे जटिल संकट से जूझ रही है, वह केवल आतंकवाद या हिंसा का संकट नहीं है; वह विचारों के कट्टर हो जाने का संकट है। किसी भी हिंसक घटना के बाद समाज का ध्यान स्वाभाविक रूप से अपराधियों, हथियारों और सुरक्षा व्यवस्था पर जाता है लेकिन एक प्रश्न अक्सर अनुर्रित रह जाता है-’’आखिर वह कौन-सी मानसिक और सामाजिक प्रक्रिया है जो एक सामान्य व्यक्ति को इस निष्कर्ष तक पहुंचा देती है कि हिंसा ही न्याय का रास्ता है?’’ यहीं से चरमपंथ की वास्तविक चुनौती शुरू होती है। चरमपंथ किसी एक घटना का परिणाम नहीं होता और न ही वह किसी एक धर्म, राजनीतिक विचारधारा या समुदाय तक सीमित है। इतिहास गवाह है कि धार्मिक कट्टरता, नस्लीय श्रेष्ठतावाद, उा राष्ट्रवाद, वैचारिक क्रांतिवाद और यहाँ तक कि कुछ राजनीतिक आंदोलनों ने भी अलग-अलग समय पर हिंसा को वैध ठहराने का प्रयास किया है। इसलिए समस्या किसी एक विचार की नहीं, बल्कि उस मानसिक संरचना की है जो असहमति को शत्रुता में बदल देती है। चरमपथ का पहला चरण दुनिया को दो हिस्सों में बाँटना है- ‘हम’ और ‘वे’। जब समाज को केवल मित्र और शत्रु के द्वंद में देखना शुरू कर दिया जाता है, तब संवाद की जगह टकराव ले लेता है। विविधता बोझ लगने लगती है और असहमति को अस्तित्व पर हमला मान लिया जाता है। यही वह बिंदु है जहाँ लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है। इसके बाद आता है पीड़ित होने का आख्यान। लगभग हर चरमपंथी विचारधारा अपने समर्थकों को यह विश्वास दिलाती है कि उनके साथ ऐतिहासिक या वर्तमान समय में इतना अन्याय हुआ है कि सामान्य लोकतांत्रिक उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। जब यह धारणा गहरी हो जाती है, तब प्रतिशोध को न्याय और हिंसा को कर्तव्य के रूप में प्रस्तुत करना आसान हो जाता है। यहीं से नैतिक सीमाएं धुंधली पड़ने लगती हैं। डिजिटल युग ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है। सोशल मीडिया के एल्गोरिथ्म उपयोगकर्ता को अक्सर वही सामग्री दिखाते हैं जो उसकी पूर्वधारणाओं को पुष्ट करती है। परिणामस्वरूप व्यक्ति एक ऐसे डिजिटल बेंरे में कैद हो सकता है, जहाँ उसे केवल वही विचार सुनाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत है। इस ‘इको चैंबर’ में तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भावपूर्ण निर्णयों पर हावी हो जाती हैं। गलत सूचनाएं, षड्यंत्र सिद्धांत और भड़काऊ प्रचार इस प्रक्रिया को और तेज कर देते हैं। यह भी उतना ही सच है कि हर कट्टर विचार रखने वाला व्यक्ति हिंसक नहीं बनता। हिंसा तब पहुंचने के लिए वैचारिक कट्टरता के साथ सामाजिक अलगाव, पहचान का संकट, निरंतर प्रचार और कई बार व्यक्तिगत परिस्थितियां भी भूमिका निभाती हैं। इसलिए केवल दमन या निगरानी के उपाय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। यही कारण है कि चरमपंथ के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार केवल कानून नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक समाज की बौद्धिक और नैतिक शक्ति है। ऐसी शिक्षा, जो प्रश्न पृष्ठना सिखाए, ऐसा सार्वजनिक विमर्श, जो असहमति को स्थान दे। ऐसी मीडिया संस्कृति, जो सनसनी से अधिक सत्य को महत्व दे और ऐसा सामाजिक वातावरण, जिसमें युवा सम्मान, उद्देश्य और अपनापन महसूस करें-यही वे आधार हैं जिन पर हिंसा के विरुद्ध सबसे मजबूत दीवार खड़ी की जा सकती है। भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां विविधता कोई अपवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जीवन का स्वभाव है। यदि समाज का कोई भी वर्ग यह मानने लगे कि केवल उसका सत्य अंतिम है और शेष सब अस्वीकार्य हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा ही कमजोर होने लगेगी। इसलिए चरमपंथ का मुकामला किसी एक समूह के विरुद्ध अभियान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का सतत प्रयास होना चाहिए। आज आवश्यकता केवल हिंसक घटनाओं की निंदा करने की नहीं, बल्कि उन वैचारिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल प्रक्रियाओं को समझने की है जिनसे हिंसा जन्म लेती है।

दतिया एसडीओपी के नेतृत्व में कोतवाली थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ जवानों के साथ निकाला फ्लैग मार्च



दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के दृष्टिगत रविवार को थाना कोतवाली क्षेत्र में एसडीओपी दतिया आकांक्षा जैन के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक दिनेश राजपूत, सीआरपीएफ की कंपनी एवं पुलिस बल द्वारा सयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च भैरव मंदिर, टाउन हॉल, पटवा तिराहा, तिगेलिया, किला चौक एवं मुख्य बाजार सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों से होकर निकाला गया। आमजन से आगामी उपचुनाव के दौरान निर्भीक, निष्पक्ष एवं

शांतिपूर्ण मतदान के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की अपील की। दतिया पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विधानसभा उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च, एरिया डिसिनेशन एवं सघन गश्त की कार्यवाई लगातार जारी रहेगी। कानून-व्यवस्था धाम करने, मतदाताओं को डराने-धमकाने अथवा निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाई की जाएगी।

बारिश के लिए आस्था का सहारा: बोड़ा में निकली भक्ति यात्रा

बिजली माता की पूजा- अर्चना कर अच्छी वर्षा की कामना

समय जगत, बोड़ा। राजगढ़ जिले में लगातार बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। खेतों में खड़ी फसलों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। ऐसे में बोड़ा नगर सहित आसपास के गांवों में लोगों ने प्रकृति की कृपा पाने के लिए अपनी प्राचीन धार्मिक परंपराओं का सहारा लिया। कहीं गांव के बाहर सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया, तो कहीं मंदिरों में, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान कर अच्छी वर्षा की प्रार्थना की गई। इसी क्रम में बोड़ा के श्री खेड़पति हनुमान मंदिर बगीची से विशाल धार्मिक चल समारोह निकाला गया। बैंड पर



श्रद्धालु भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बिजली माता मंदिर पहुंचे। यहां ग्राम

आचार्य पंडित राधेश्याम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से बिजली माता एवं गौ माता का पूजन-

अर्चन कराया तथा क्षेत्र में अच्छी वर्षा, समृद्ध फसल और जनकल्याण की कामना की गई। पूजा अर्चना गांव पटेल

भगवान सिंह पिता कुमर सिंह पटेल राजपूत ने की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठ समाजसेवियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। जब भी वर्षा में विलंब होता है, तब गौ पूरे गांव के लोग एकजुट होकर देवी-देवताओं की आराधना करते हैं और अच्छी बारिश की प्रार्थना करते हैं। श्रद्धालुओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी सामूहिक प्रार्थना अवश्य स्वीकार होगी और शीघ्र ही क्षेत्र में अच्छी वर्षा होगी, जिससे किसानों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौटेगी।

सार संक्षिप्त

स्थानांतरण पर तहसीलदारों एवं पटवारियों को दी भावभीनी विदाई



समय जगत,हरदा। मध्य प्रदेश पटवारी संघ, तहसील शाखा हंडिया द्वारा अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए जिले से बाहर स्थानांतरित हुए तहसीलदार वीरेन्द्र उईके, अपर तहसीलदार आशीष मिश्रा एवं तीन पटवारी साथियों के सम्मान में स्थानीय राजहंस होटल में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में दोनों तहसीलदारों ने हरदा जिले में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां उन्हें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पटवारियों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि हरदा में मिले आत्मीय वातावरण, टीम भावना और सहयोग की स्मृतियां उनके हृदय में सदैव अंकित रहेंगी। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पटवारी संघ के तहसील अध्यक्ष फूलसिंह उईके एवं सचिव सुबाष मरकोले सहित सभी पटवारियों ने दोनों तहसीलदारों का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। वहीं मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजीव जैन ने दोनों अधिकारियों को स्मृति-चिह्न एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हरदा जिले से बाहर स्थानांतरित पटवारी योगेंद्र दामो, गणेश चौरै तथा नीरज गंगवाल का शाल श्रीफल और स्मृति चिह्न से अभिनंदन पटवारियों द्वारा किया गया। इस दौरान नागात तहसीलदार श्रीमती पूजा भाटी, नायब तहसीलदार कैलाश यादव, राजस्व निरीक्षक उत्तम पारदे, पटवारी राजीव जैन, फूलसिंह उईके, उदय उईके, नीरज आमे, सुभाष मरकोले, राम अग्रवाल, जवाहर पटेल, गजेन्द्र बेरागी, हेमलता बाईया, सिया अहिरवार आदि उपस्थित रहे। विदाई समारोह आत्मीय एवं भावुक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तहसील हंडिया के राजस्व निरीक्षक, लिपिक, कर्मचारी, पटवारी एवं राजस्व विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्थानांतरित अधिकारियों एवं पटवारी साथियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

दतिया विधानसभा उप निर्वाचन माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण संपन्न



दतिया। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की तैयारियों के तहत न्यू कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में 283 माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मास्टर ट्रेनर्स मनोज द्विवेदी एवं प्रो. सुधीर पाण्डेय की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने माइक्रो ऑब्जर्वरों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनकी जिम्मेदारियों, मतदान केंद्रों पर निष्पक्ष निगरानी, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के पालन तथा पारदर्शी एवं स्वतंत्र मतदान सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। प्रशिक्षण में मतदान दिवस पर अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, आचार संहिता के अनुपालन, रिपोर्टिंग व्यवस्था तथा संवेदनशील मामलों में सतर्कता बरतने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षित माइक्रो ऑब्जर्वरों की सक्रिय भूमिका से विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

दो राजनेताओं का भरत मिलाप दतिया में बना चर्चा का केंद्र

समय जगत, दतिया। जब दो दिल मिल रहे हैं कोई नया गुल खिल रहा है। दतिया के राजनैतिक इतिहास में पहली बार चुनावी मंच पर दिखी राजनीतिक सौहार्द की तस्वीर, जीतू पटवारी और आशुतोष तिवारी मिले गले। दतिया उप चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की सभा के पास से गुजर रहे भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को श्री पटवारी ने रुकना का इशारा किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए गले मिलकर भाईचारे का परिचय देते हुए आपसी सौहार्द की झांकी दिखा दी जो चुनावी प्रतिद्वंद्विता में कम देखने को मिलती है। दोनों नेताओं का भरत मिलन देख कर मौजूद लोग आश्चर्य में पड़ गए। कुछ देर हुई सौहार्दपूर्ण बातचीत के बाद दोनों अपने-अपने कार्यक्रमों में व्यस्त हो गए। इस मुलाकात के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

जनसेवा का मौका दें जब तक विधायक रहूंगा आपकी सेवा करूंगा : घनश्याम सिंह

ग्रामीण क्षेत्र में जन समर्थकों के साथ पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी

दतिया। जो लोग भोपाल में रहते हैं चुनाव लड़ने के लिए दतिया आए? हैं वो चुनाव के बाद दतिया में नजर नहीं आये यदि आपको कोई काम होगा भोपाल जाना पड़ेगा और मैं दतिया रहता हूँ आप 24 घंटे कभी भी संपर्क कर मिल सकते हो। आप मुझे जनसेवा का फिर् से मौका दें मैं वादा करता हूँ कि जब तक विधायक रहूंगा दिन रात सेवा करूंगा। उक्त विचार दतिया में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने रविवार को ग्राम विजयपुर, सीतापुर, उर्राय, बानोली में मतदाताओं से घर घर जनसंपर्क कर चर्चा के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 95 प्रतिशत लोगों ने भाजपा प्रत्याशी को कभी देखा भी नहीं, कभी मिले भी नहीं। इनके मौखिक भाई जो पुरवों में भाजपा जिलाध्यक्ष रहे हैं उन्होंने इंदरगढ़ में गरीब जनता को जमकर लूटा। जिले में सरकार की गलत नीतियों के



कारण किसान परेशान हैं। समय से खाद मिलता नहीं, कृषि उपज बेचने किसान मंडी जाते हैं तो मंडी में नकद पैसा नहीं मिलता 2.5 प्रतिशत कमीशन देना

पड़ता है। सरकार किसानों को सुन नहीं रही। कांग्रेस गरीबों की पार्टी है भाजपा पूंजीपतियों की। आप सब एकजुट होकर कांग्रेस के लिए वोट करें।

प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के समक्ष कांग्रेस परिवार की ली सदस्यता



दतिया। विधानसभा उपचुनाव के दौरान मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के तीन पूर्व पार्षदों ने कांग्रेस की रीति-नीति और जनहित को विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते

हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले पूर्व पार्षद बुद्ध वेश, अतुल यादव एवं अरविंद यादव शामिल हैं। इन सभी नेताओं का कांग्रेस परिवार में आने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

शिक्षा संबंधी मांगों का ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कटनी प्रवास के दौरान शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपने जा रहे जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला को पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। कांग्रेस का आरोप है कि बड़वारा थाना प्रभारी एवं रंगनाथ थाना पुलिस की टीम ने तीन वाहनों के साथ दो अलग-अलग स्थानों पर उनका रास्ता रोककर उन्हें मुख्यमंत्री के कटनी से खाना होने तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नजरबंद रखा। मुख्यमंत्री के प्रस्थान के बाद उन्होंने नायब तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जिले में पीपीपी मॉडल के बजाय पूर्णतः शासकीय



मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग की गई। इसके साथ ही पीएम एक्सप्रेस के शासकीय तिलक महाविद्यालय में बीसीए, बीबीए, बी.एड., एलएलबी, बी.ए.एलएलबी, बी.कॉम. एलएलबी, बी.एससी. एलएलबी एवं डी.फार्म जैसे रोजगारोन्मुखी

पाठ्यक्रम प्रारंभ करने तथा पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में जिले के माइनिंग क्षेत्र को देखते हुए माइनिंग इंजीनियरिंग, माइन सर्वेइंग, माइन सेटी सहित अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग भी शामिल थी। एड. अमित शुक्ला ने आरोप लगाया कि छात्रों और

युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने से रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शिक्षा और रोजगार से जुड़े जनहित के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और कटनी के युवाओं के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

28 जुलाई सायं 6 बजे से मतदान समाप्ति तक एवं मतगणना 3 जुलाई को दतिया विधानसभा में रहेगा शुष्क दिवस
दतिया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दतिया द्वारा आदेश जारी कर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 ग के प्रावधान अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दतिया विधानसभा उप चुनाव हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है। जारी आदेशानुसार दतिया विधानसभा एवं दतिया विधानसभा क्षेत्र से सीमावर्ती 3 किलोमीटर क्षेत्र में मतदान दिवस 30 जुलाई 2026 को मतदान समाप्ति के नियत समय से 48 घंटे पूर्व से मतदान समाप्ति तक अर्थात् 28 जुलाई को सायंकाल 6 बजे से 30 जुलाई 2026 को मतदान समाप्त तक और दतिया विधानसभा क्षेत्र में मतगणना दिनांक 30 जुलाई 2026 को पूरे दिन शुष्क दिवस रहेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पुत्र का नाम दीपेन्द्र राजा पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (DEEPENDRA RAJA S/O LAXMAN SINGH THAKUR) निवासी बार्ड नं. 06, ग्राम बाकपुरा, पोस्ट गोरखपुर, गोरखपुर, छत्तरपुर, गोरखपुरा, जिला छत्तरपुर मध्य प्रदेश है। परंतु मेरे पुत्र के आधार कार्ड में वृट्टिवा नाम बिकेन्द्र सिंह ठाकुर पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (BIKENDR SINGH THAKUR S/O LAXMAN SINGH THAKUR) अंकित हो गया है, जो की गलत है मेरे पुत्र का वास्तविक सही नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज होने से प्रमाणित है। जिससे मैं मेरे पुत्र के शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराना चाहता हूँ। दीपेन्द्र राजा पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (DEEPENDRA RAJA S/O LAXMAN SINGH THAKUR) व बिकेन्द्र सिंह ठाकुर पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (BIKENDR SINGH THAKUR S/O LAXMAN SINGH THAKUR) यह दोनों एक ही व्यक्ति है। प्रकाशन उपरत मेरे पुत्र का नाम दीपेन्द्र राजा पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (DEEPENDRA RAJA S/O LAXMAN SINGH THAKUR) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम
बिकेन्द्र सिंह ठाकुर पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (BIKENDR SINGH THAKUR S/O LAXMAN SINGH THAKUR)
नया नाम
दीपेन्द्र राजा पिता लक्ष्मन सिंह ठाकुर (DEEPENDRA RAJA S/O LAXMAN SINGH THAKUR)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पुत्र का नाम सचिन सोलंकी पिता कारसिंह सोलंकी (SACHIN SOLANKI S/O KARSINGH SOLANKI) निवासी मथरियारा, फलिया, बालपुर, बालपुर, अलीराजपुर, बालपुर, मध्य प्रदेश है। परंतु मेरे पुत्र के आधार कार्ड में वृट्टिवा नाम सचिन पुत्र कारसिंह (SACHIN S/O KARSINGH) अंकित हो गया है, जो की गलत है मेरे पुत्र का वास्तविक सही नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र में भी दर्ज होने से प्रमाणित है। जिससे मैं मेरे पुत्र के आधार कार्ड/शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराना चाहता हूँ। सचिन सोलंकी पिता कारसिंह सोलंकी (SACHIN SOLANKI S/O KARSINGH SOLANKI) व सचिन पुत्र कारसिंह (SACHIN S/O KARSINGH) यह दोनों एक ही व्यक्ति है। प्रकाशन उपरत मेरे पुत्र का नाम सचिन सोलंकी पिता कारसिंह सोलंकी (SACHIN SOLANKI S/O KARSINGH SOLANKI) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम
सचिन पुत्र कारसिंह (SACHIN S/O KARSINGH)
नया नाम
सचिन सोलंकी पिता कारसिंह सोलंकी (SACHIN SOLANKI S/O KARSINGH SOLANKI)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरी पुत्री का नाम वैष्णवी सिंह पिता नरेश प्रताप सिंह (VAISHNAVI SINGH D/O NARESH PRATAP SINGH) निवासी भ्राम बहेरी, बदेरी, उमरिया, मध्य प्रदेश है। परंतु मेरी पुत्री के आधार कार्ड में वृट्टिवा नाम वैष्णवी सिंह पुत्री संघा सिंह बघेल (VEESDHVI SINGH D/O SANDHYA SINGH BAGHEL) अंकित हो गया है, जो की गलत है मेरी पुत्री का वास्तविक सही नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र व शैक्षणिक दस्तावेज में भी दर्ज होने से प्रमाणित है। जिससे मैं मेरी पुत्री के आधार कार्ड/शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराना चाहता हूँ। वैष्णवी सिंह पिता नरेश प्रताप सिंह (VAISHNAVI SINGH D/O NARESH PRATAP SINGH) व वैष्णवी सिंह पुत्री संघा सिंह बघेल (VEESDHVI SINGH D/O SANDHYA SINGH BAGHEL) यह दोनों एक ही व्यक्ति है। प्रकाशन उपरत मेरी पुत्री का नाम वैष्णवी सिंह पिता नरेश प्रताप सिंह (VAISHNAVI SINGH D/O NARESH PRATAP SINGH) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम
वैष्णवी सिंह पुत्री संघा सिंह बघेल (VEESDHVI SINGH D/O SANDHYA SINGH BAGHEL)
नया नाम
वैष्णवी सिंह पिता नरेश प्रताप सिंह (VAISHNAVI SINGH D/O NARESH PRATAP SINGH)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती पत्नी श्री रामकुमार सिंह, निवासी – हसनपुरा, तहसील – गौरीम जिला – गिण्ड म.प्र.। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सिरमती पत्नी श्री रामकुमार सिंह वृट्टिवश दर्ज हो गया है, जो कि गलत है और परिचय पत्र में भी मेरा नाम सिरमती (Siramati) गलत दर्ज है, पेन कार्ड में भी मेरा नाम सिरमती (Siramati) पिता रामलाल सिंह दर्ज है, जो मेरा नाम गलत लिखा हुआ है, जबकि मेरे स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र में मेरा सही नाम श्रीमती पत्नी श्री रामकुमार सिंह दर्ज है, जो कि मेरा सही एवं वास्तविक नाम है, सिरमती और श्रीमती दोनों एक ही महिला के नाम है,अतः प्रकाशन उपरत मेरे सभी शासकीय/अशासकीय व्यक्तिगत दस्तावेजों में सही नाम श्रीमती (Shirimati) W/O रामकुमार सिंह (Ramkumar Singh) के नाम से जाना – पहचाना व लिखा – पढ़ा दर्ज किया जावे।

पुराना नाम
सिरमती पत्नी श्री रामकुमार सिंह Siramati
W/o Ramkumara Singh
नया नाम
श्रीमती पत्नी श्री रामकुमार सिंह Shirimati
W/o Ramkumar Singh

57 लाख की सड़क पर बड़ा खेल, बनी हुई WBM सड़क पर फिर बिछ रही ग्रेवल

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा निर्माण कार्य बटोर रहा है समाचारों की शुर्खियां

समय जगत, डिंडौरी। डिंडौरी जिले की ग्राम पंचायत चटुआ में 57 लाख रुपये की लागत से बन रही ग्रेवल सड़क अब सवालों के घेरे में है। आरोप है कि पहले से ही RES के द्वारा डब्ल्यूबीएम सड़क बनाई गई थी, उसी के ऊपर दोबारा ग्रेवल बिछाई जा रही है। शिकायतकर्ता ने इसे सरकारी धन के दुरुपयोग बताते हुए कलेक्टर से जांच की मांग की है। चटुआ से बिछिया तक करीब दो किलोमीटर लंबे मार्ग पर 57 लाख रुपये की लागत से ग्रेवल सड़क का निर्माण कराया जा रहा है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब इस मार्ग पर पहले से विभाग के द्वारा डब्ल्यूबीएम सड़क बनी हुई है, तो उसके ऊपर दोबारा ग्रेवल क्यों डाली जा रही है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि निर्माण कार्य तकनीकी नियमों के विपरीत है और बिना आवश्यकता सरकारी राशि खर्च की जा रही है। आरोप यह भी है कि सूत्रों से जानकारी के अनुसार



करीब 10 लाख रुपये का भुगतान भी हो चुका है, जबकि निर्माण की गुणवत्ता और आवश्यकता दोनों पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क पहले से बनी थी तो उसके ऊपर या मरम्मत के

पूरे गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में जब आरईएस विभाग के उपयंत्री फिरोज खान से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि यह कार्य उनके कार्यकाल से पहले स्वीकृत हुआ था और

इसकी जानकारी तत्कालीन उपयंत्री ही दे सकते हैं। विभाग के इस जवाब ने मामलों को और संदेहास्पद बना दिया है। अब शिकायत कलेक्टर तक पहुंच चुकी है। ऐसे में सबकी नजर प्रशासन की जांच पर टिकी है कि आखिर बनी हुई डब्ल्यूबीएम सड़क पर दोबारा ग्रेवल बिछाने की जरूरत क्यों पड़ी है क्या यह तकनीकी आवश्यकता थी या फिर 57 लाख रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला है, इसका जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा।

अल्पविराम कार्यशाला में आत्मशक्ति एवं आनंदम जीवन शैली पर दिया गया जोर



समय जगत, डिंडौरी। राज्य आनंद संस्थान के मार्गदर्शन में जनजातीय कार्य विभाग, जिला डिंडौरी द्वारा अल्पविराम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को आत्मचिंतन, मानसिक संतुलन एवं आनंदम जीवन शैली के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे एवं जिला पंचायत उपध्यक्ष श्रीमती अंजू जितेन्द्र ब्योहार विशेष रूप से उपस्थित रहें। विधायक श्री धुर्वे ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने मन की अंतरात्मा की शक्ति को पहचानना ही अल्पविराम है। उन्होंने कहा कि जीवन की व्यस्तताओं के बीच प्रत्येक व्यक्ति के लिए अल्पविराम

आवश्यक है, जिससे आत्ममंथन, सकारात्मक सोच एवं बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उद्घाटन सत्र में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, राज्य आनंद संस्थान के प्रदेश कार्यक्रम समन्वयक आकाश दुबे तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य राजेन्द्र जाटव उपस्थित रहे। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर के रूप में कटनी से अनिल काबले, डीपीएल श्रीमती मनीषा काबले तथा मास्टर ट्रेनर श्रीमती मंजूषा शर्मा ने प्रतिभागियों को विभिन्न गतिविधियों एवं कौशलिक प्रशिक्षणों के माध्यम से आत्मबोध, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक जीवन दृष्टि एवं आनंदम के सिद्धांतों की जानकारी दी।

साक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से आठ वर्षीय बालक की हुई मौत

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले के शाहनगर नगर थाना अंतर्गत ग्राम खमतरा में एक 8 वर्ष के बालक को जहरीले सर्प ने काट लिया, जिससे उसकी हालत खराब हो गई तत्काल स्वास्थ्य केंद्र शाह नगर ले जाया गया डॉक्टर द्वारा इलाज किया गया लेकिन इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई जानकारी के अनुसार खम तरा निवासी शिवम सिंह पिता यशवंत सिंह घर के सामने खेल रहा था इस दौरान सर्प ने काट लिया उक्त घटना से परिवार में मातम का माहौल कायम है पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। गौरतलब है कि वर्तमान समय में सर्प दंश की सबसे अधिक घटनाएं हो रही हैं।

गंदगी फैलाने एवं अतिक्रमण करने पर नगर

पालिका ने की चालानी कार्यवाही



समय जगत, नरसिंहपुर। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर के निर्देशानुसार सड़क पर गंदगी करने एवं अतिक्रमण करने तथा घटिया स्तर की पॉलिथीन विक्रेय करने पर ओम प्लास्टिक, बटरी बाबा प्लास्टिक, एमके प्लास्टिक पर 20 केजी पॉलिथीन जस कर 3000 रुपए एवं अन्य 15 चालान गंदगी करने एवं अतिक्रमण करने पर 3000 किए 18 चालान पर राशि 6000 वसूल किए गए। कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक राजेश पटेल, मुख्य लिपिक रामकुमार नामदेव प्रभारी सुमित पटेल स्वास्थ्य शाखा बाबू राजेश चौधरी अजय खत्री सुनील चौधरी, कौशलेंद्र जाट, प्रवीण मसराण एवं विपिन पुआरिया मौजूद रहे।

खेत में भैंस चराने की बात पर मारपीट, मामला दर्ज

श्योपुर। देहात थाना क्षेत्र के कनापुर गांव में खेत में भैंस चराने की बात को लेकर एक व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी कमलेश जगम निवासी कनापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 जुलाई की सुबह करीब 9 बजे खिरनी मोड़ के पास आरोपी सम्भूलाल मीणा निवासी ग्राम खिरनी ने विवाद के दौरान उसके साथ मारपीट की, गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

ढाबे पर भोजन के बाद युवक की तबीयत बिगड़ी

समय जगत, श्योपुर। विजयपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुरा स्थित मधुवन ढाबा पर भोजन करने के बाद एक युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान देवेन्द्र खटीक (35) निवासी सदर के रूप में हुई है। सूचनाकर्ता आसिफ उर्फ शशीर खान (41) निवासी अयोध्या बस्ती, वार्ड क्रमांक 7, कैलाश (जिला मुरैना) ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना के आधार पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

नाबालिग लड़की के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार कटनी। उत्तरप्रदेश के कौसाम्बी जिले से एक नाबालिग लड़की को भगाकर कटनी लाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बहोरीबंद पुलिस के सहयोग से उत्तरप्रदेश पुलिस ने बहोरीबंद पहुंचकर नाबालिग लड़की को युवक के चंगुल से आजाद कराया और परिजनों को सौंप दिया। आरोपी युवक को ट्रॉजिट प्रक्रिया के बाद उत्तरप्रदेश की पुलिस अपने साथ ले गई है। बहोरीबंद थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा ने बताया कि उत्तरप्रदेश के कौशांबी जिले में दर्ज एक कथित अपहरण के मामले में पुलिस ने बहोरीबंद क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को बरामद कर आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है। यह पूरी कार्रवाई उत्तरप्रदेश पुलिस ने बहोरीबंद पुलिस की मौजूदगी में की। शुक्रवार की रात उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के मंझनपुर थाने से उप निरीक्षक शिवशंकर पाण्डेय पुलिस टीम के साथ बहोरीबंद पहुंचे। टीम ने स्थानीय पुलिस को बताया कि थाना मंझनपुर में दर्ज अपराध में आरोपी बहोरीबंद निवासी रोहित द्विवेदी की तलाश की जा रही थी। सटीक सूचना के आधार पर उत्तरप्रदेश पुलिस ने बहोरीबंद क्षेत्र स्थित एक निजी मकान में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया, जहां से पीड़ित नाबालिग किशोरी को भी बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान पीड़ित किशोरी को उसके पिता और भाई के सुपुर्द किया गया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उत्तर प्रदेश पुलिस आरोपी को अपने साथ लेकर रवाना हो गई। मामले की आगे की विवेचना और न्यायिक कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा रही है। बताया गया है कि आरोपी एक धार्मिक स्थल से जुड़ा था और वही कार्य करता था।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल चालक हुआ घायल

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले के बूजपुर थाना अंतर्गत बृहस्पति कुंड मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल चालक को सामने से टक्कर मार दी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया तथा शरीर के अनेक अंगों में गंभीर चोट आई है घटना की सूचना बूजपुर थाना पुलिस को दी गई पुलिस ने 108 एंबुलेंस भेजकर घायल को जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है घायल का नाम देवे सिंह यादव निवासी गहरा है कार का चालक वाहन छोड़कर भाग गया। अर्दंगा कार क्रमांक एमपी 35 सी ए 3126 है जिसकी पुलिस इंद्रा नगर थाना की जा रही है।

नाती की बात को लेकर महिला से मारपीट, मामला दर्ज

समय जगत, श्योपुर। मानपुर थाना क्षेत्र में नाती की बात को लेकर विवाद के बाद एक महिला के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, गुडा कासीपुर निवासी कनौबाई पत्नी बलराम बंजारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 जुलाई 2026 को रात करीब 9 बजे उनके घर के सामने आरोपी शंकर पुत्र कालूराम बंजारा निवासी कासीपुर ने उनके नाती से जुड़ी बात को लेकर विवाद किया। आरोप है कि आरोपी ने महिला के साथ मारपीट की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने 17 जुलाई 2026 को रात 10-57 बजे अपराध कायम किया है।

पत्नी छोड़कर चली गई तो पति चढ़ा पानी की टंकी पर

विजयपुर की घटना, पुलिस की समझाइश के बाद नीचे उतरा युवक

समय जगत, श्योपुर। विजयपुर कस्बे से शनिवार को एक युवक अपनी पत्नी के वियोग और पुलिस की कथित सनवाई न होने से नाराज होकर गगनचुंबी पानी की टंकी पर जा चढ़ा। युवक एक घंटे से अधिक समय तक टंकी पर ही चढ़ा रहा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।



लोगों का कहना है कि मुताबिक, विजयपुर कस्बे के व्यस्त बस स्टैंड परिसर में स्थित पानी की टंकी पर यह युवक अचानक चढ़ गया। टंकी के ऊपर से युवक चिल्लाते हुए अपनी आपबीती सुनाता रहा। उसका कहना था कि मेरी बीवी मुझे छोड़कर चली

गई है। मैं उसे वापस लाने के लिए पुलिस से भी शिकायत कर चुका हूँ, लेकिन पुलिस मेरी कोई सुनवाई नहीं कर रही है। पत्नी के जाने के गम और जिम्मेदारों के बेरुखी से आहत होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। टंकी की

दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। प्रशासन द्वारा लाउडस्पीकर के जरिए युवक को नीचे उतारने और उसकी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया गया लेकिन वह नहीं उतरा। जब मौडिया के लोग पहुंचे तब युवक नीचे उतरा।

राजू राठौर ने जन्मदिवस पर पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

समय जगत, सिवनी मालवा। नगर के सक्रिय समाजसेवी रणछोड़ जी टैस्ट के ट्रस्टी, पत्रकार संघ उपाध्यक्ष राजू राठौर ने जन्मदिन को समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी से जोड़ते हुए प्रातः मुख्य बाजार स्थित नगर पालिका सुलभ काम्लेक्स परिसर में नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन, पत्रकार संघ अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास की उपस्थिति में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नागरिकों से अपने जन्मदिन सहित अन्य विशेष अवसरों पर पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने की अपील की। वहीं पत्रकार संघ सिवनी मालवा के अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास ने कहा कि यह पहल समाज के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायी हैं। सभी लोग अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश (रिंकू) जैन ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार भी हैं। यदि प्रत्येक नागरिक अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो हमारा शहर और प्रदेश अधिक हरित व स्वच्छ बन सकता है। बजरंग दल के शिव राठौर ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार, रणछोड़ दास राठौर समाज ट्रस्ट के ट्रस्टी पत्रकार राजू राठौर ने वृक्षारोपण और भगवान सत्यनारायण की कथा से अपना जन्मदिन मनाकर प्राकृतिक संरक्षण, सनातनी परंपरा का परिचय दिया। वहीं शाम को इष्ट मित्रों ने पत्रकार संघ उपाध्यक्ष राजू राठौर, पत्रकार सुरेंद्र गौड़ को पुष्प माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पार्षद ईश्वर जमींदार, दीपक बाथव, पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित, शिव राठौर, वरिष्ठ पत्रकार रामशंकर शर्मा, विनीत राठी, राजा तिवारी, सुधीर मालवीय, उमेश गौड़, अरुण कश्यप, अरविंद शुक्ला, चंद्रशेखर बाथव, के.के. यदुवंशी, रामशंकर दुबे, सहित पत्रकारगण व नागरिक उपस्थित रहे।



प्रधानमंत्री ने वर्चुअली किया नैनपुर रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

अमृत भारत स्टेशन योजना से मिला आधुनिक स्वरूप, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

समय जगत, मण्डला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिवस देशभर के 103 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसी क्रम में मण्डला जिले के नैनपुर रेलवे स्टेशन के नव विकसित स्वरूप का भी लोकार्पण हुआ। राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नैनपुर रेलवे स्टेशन पर किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नैनपुर रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। अब

यात्रियों को बेहतर प्रतीक्षालय, आधुनिक शौचालय, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुव्यवस्थित यात्री सुविधाएं, सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था तथा

आकर्षक स्टेशन परिसर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे के आधुनिकीकरण से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

क्षेत्रीय सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि नैनपुर रेलवे स्टेशन मण्डला जिले का प्रमुख जंक्शन है, जहां से प्रतिदिन लगभग 18 ट्रेनें संचालित होती हैं। अमृत भारत

स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य रेलवे स्टेशनों का भी चरणबद्ध तरीके से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले स्कूली विद्यार्थियों का अतिथियों ने सम्मान किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती संपतिया डड्डे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ओमवती डड्डे, मंडल रेल प्रबंधक दीपक गुप्ता, प्रधान वाणिज्य प्रबंधक विजय कुमार सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ऑनलाइन गेमिंग में हारे रुपये छिपाने के लिए रची थी युवक ने खुद के अपहरण की साजिश



समय जगत, मुरैना। बामौर थाना पुलिस ने स्वयं के अपहरण की झूठी कहानी रचने वाले युवक को घटना के 48 घंटे के भीतर नई दिल्ली से सकुशल दस्तयाब कर मामले का खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक ने ऑनलाइन गेमिंग में करीब ढाई लाख रुपये हारने के बाद परिजनों को गुमराह करने के लिए अपहरण की झूठी कहानी बनाई थी। पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को फरियादी देवी सिंह पुत्र स्व. मूल सिंह (44) निवासी पमाया रोड ने बामौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पुत्र सोनू कुशवाह (26) सुबह करीब 10:30 बजे बाजार जा रहा था। इसी दौरान

आंगनवाड़ी केंद्र के पास अज्ञात लोग उसे चार पहिया वाहन में जबरन बैठकर ले गए। शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र पाल सिंह डाबर एवं कुशवाह ने बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी है और इसमें करीब 2.50 लाख रुपये हार गया था। परिजनों को सच्चाई बताने से बचने और रुपये हारने की बात छिपाने के लिए उसने अपने अपहरण की मनगढ़ंत कहानी रची थी, ताकि लोगों को यह विश्वास हो जाए कि अज्ञात बदमाशों ने युवक दिल्ली में है। इसके बाद पुलिस टीम ने

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, ऑटो बस स्टैंड और आसपास के करीब 150 होटलों में तलाश की।इसके बाद युवक चौहान रेजीडेंसी होटल के कमरा नंबर 11 में अकेला उठरा मिला, जहां से उसे सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। पृष्ठछाछ में सोनू कुशवाह ने बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी है और इसमें करीब 2.50 लाख रुपये हार गया था। परिजनों को सच्चाई बताने से बचने और रुपये हारने की बात छिपाने के लिए उसने अपने अपहरण की मनगढ़ंत कहानी रची थी, ताकि लोगों को यह विश्वास हो जाए कि अज्ञात बदमाशों ने उसका अपहरण कर रुपये छिन लिए।

लाइली बहना योजना का झांसा देकर महिला से सोने के जेवर ठगे

मुरैना/बानमोर। लाइली बहना योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर एक अज्ञात युवती ने बानमोर गांव की एक महिला से सोने के जेवर ठग लिए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवती ने उसे कोई सन्दिग्ध वस्तु सुचाकर अपने प्रभाव में ले लिया और बाद में फोटो खिंचवाने के बहाने उसके कानों के बाले और हाथ की सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गई। जानकारी के अनुसार, पूनम शिवहरे (30) पत्नी राधाकृष्ण शिवहरे, निवासी बानमोर गांव ने बताया कि 18 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे वह अपने घर में सो रही थीं। इसी दौरान करीब 20 वर्षीय एक अज्ञात



महिला उनके घर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर बोली कि लाइली बहना योजना का फॉर्म भरना है, मेरे साथ नगर पालिका चलो, मैं फॉर्म भरवाकर जमा करा दूंगी, जिससे हर माह 1500 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। पीड़िता का आरोप है कि बातचीत के दौरान अज्ञात महिला ने उसे कोई सन्दिग्ध वस्तु सुघा दी, जिसके बाद वह उसके साथ टमटम में बैठकर नगर पालिका पहुंच गई। वहां युवती ने फोटो खिंचवाने का बहाना बनाकर कहा कि कानों के सोने के बाले और हाथ की अंगूठी बैग में रख दो, फोटो खिंचने के बाद वापस कर दूंगी।

सार-समाचार

सबलगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त



समय जगत, मुरैना। सबलगढ़ पुलिस ने अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8 लाख आंकी गई है। जानकारी के अनुसार रविवार को सबलगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने ‘रूपा को तोर रोड’ पर चेकिंग शुरू की। पुलिस को देखकर वाहन चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा वाहन की जांच करने पर उसमें अवैध रेत भरा पाया गया। ावैध दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने के कारण पुलिस ने उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। थाना सबलगढ़ में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 303/26, धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, धारा 4(1), 21(1) खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम 1957, धारा 18(1) म.प्र. खनिज नियम 2006 एवं 130(3), 77 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। साथ ही, अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग को भी सूचित कर दिया गया है, जिनके द्वारा जप्तशुदा वाहन को राजसात करने की प्रक्रिया की जाएगी।

हत्या के मामले में तीन साल से फरार दो आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल



समय जगत, मुरैना। मुरैना पुलिस द्वारा जिले में गंभीर अपराधों के आरोपियों, वारंटियों और फरार बदमाशों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना माताबसेया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या के एक मामले में पिछले लगभग तीन वर्षों से फरार चल रहे दो स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण क्रमांक 276/22 (धारा 302, 307, 294, 147, 148, 149 तथा आर्मस एक्ट) से जुड़े दो स्थायी वारंटियों धर्मवीर पुत्र रघुनाथ परिहार और देवेन्द्र पुत्र हरी सिंह निवासी ग्राम भटपुरा नदी को माताबसेया तिराहे से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस हत्या प्रकरण में शामिल तीन अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार दोनों वारंटियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विवेक सिंह तोंमर सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

बानमोर में नाशते की दुकान का ताला तोड़कर चोरी, गैस सिलेंडर समेत सामान ले गए चोर

मुरैना/बानमोर। नगर के भगवान सिंह मार्केट स्थित एक नाशते की दुकान में अज्ञात चोरों ने देर रात ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान में रखा गैस सिलेंडर, कढ़ाई, बर्तन तथा खाने-पीने का किराना सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत करीब 8 हजार रुपये बताई गई है। दुकानदार जितेंद्र वर्मा ने बताया कि भगवान सिंह मार्केट में उनकी नाशते की दुकान है। वह प्रतिदिन की तरह रात करीब 10 बजे दुकान बंद करने घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा हुआ बाहर पड़ा मिला। अंदर जाकर देखा तो गैस सिलेंडर, कढ़ाई, बर्तन और खाने-पीने का सामान गायब था।

दुकान में शार्ट-सर्किट से अचानक लगी आग दो गंभीर घायल, 20 लाख का हुआ नुकसान

समय जगत, बेगमगंज। नगर के महाराणा प्रताप स्थित नवीन समैया के जनरल स्टोर, गोदाम एवं मकान में बीती रात अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगने से मची हड़कंध में दुकान एवं मकान मालिक नवीन समैया की धर्मपत्नी आग से झुलसी, जिन्हें भोपाल रेफर किया गया है। वहीं दूसरी मंजिल पर फंसे नवीन समैया एवं उनके 22 वर्षीय पुत्र नयन बिट्टू समैया ने खिड़की तोड़कर दुकान के आगे बने लोहे की चादर के टीन शेड पर कूदकर अपनी जान बचाई। फिर भी नवीन समैया एवं पुत्र नयन बिट्टू समैया को भी पांव चोटे आने से वे घायल हो गए लेकिन उनकी 90 वर्षीय वृद्ध मां श्रीमती सितारा देवी पूरी तरह से सुरक्षित हैं। महाराणा प्रताप रोड स्थित नवीन समैया मकान में खुले जनरल स्टोर एवं डायपर की एजेंसी होने से वही पीछे गोदाम में रखी सामग्री में रात के अंतिम पहर अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग



भी जलकर खाक होने से करीब 20 लाख की हानि होना बताया गया है। जबकि किचन में रखे गैस सिलेंडर को सूझबूझ से निकालकर नीचे सड़क पर फेंक दिया था। जिससे बड़ी अहनोही होने से बच गई। घटना का तब पता चला जब नवीन समैया की धर्मपत्नी मनीषा जूनी समैया की सुबह करीब 5.30 बजे घर में धुंआं भरने से नींद खुल गई। जब उन्होंने धुआं उठते और दुकान में आग की लपेट उठती हुई देखी तो उन्होंने सहायता के लिए चीखपुकार मचाते हुए बचाओ-बचाओ की पुकार लगाणा शुरू कर दिया।

समय जगत, खंडवा।

खंडवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को एक और बड़ी सौगत मिली है। क्षेत्र की विधायक कंचन मुकेश तनवे के सतत प्रयासों से नाहल्यदा-भंडारिया कृषि महाविद्यालय के बीज केंद्र से अमरावती रोड रिंग रोड के निर्माण हेतु 5.40 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 25.67 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह द्वारा स्वीकृति पत्र जारी किया गया है। यह रिंग रोड खंडवा के लिए भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगी। इसके निर्माण से शहर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुगम और सुस्थित बनेगी। वर्तमान में अमरावती रोड से आने वाले वाहनों को शहर के अंदर से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बनती है।



सिंह तथा प्रदेश सरकार का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता खंडवा को आधुनिक, सुगम और विकसित शहर के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश

रिंग रोड बनने के बाद अमरावती की ओर से आने वाले वाहन सीधे हर्सटूड रोड से जुड़ सकेंगे, जिससे शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक का भार काफी कम होगा। इस परियोजना से आम नागरिकों का समय और ईंधन दोनों की बचत होगी, सड़क दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी तथा औद्योगिक, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। यह रिंग रोड आने वाले वर्षों में खंडवा के सुनियोजित विकास की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगी। विधायक कंचन मुकेश तनवे ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोक निर्माण मंत्री राकेश

सरकार के सहयोग से विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ रहे हैं और जनता की वर्षों पुरानी मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रिंग रोड का निर्माण पूर्ण होने के बाद खंडवा शहर को यातायात की बड़ी समस्या से राहत मिलेगी तथा विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। तनवे ने कहा की आने वाले समय में भी खंडवा विधानसभा क्षेत्र के चहुँमुखी विकास कार्यों के प्रयास निरंतर करते रहेंगे एवं विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाते रहेंगे।

स्वजातीय स्वर्णकार समाज विकास समिति का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से हुआ संपन्न



समय जगत, मैहर। स्वजातीय स्वर्णकार समाज विकास समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतना सांसद गणेश सिंह, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी तथा कोतमा से स्वर्णकार समाज के यशस्वी विधायक सुनील सोनी उपस्थित रहे। वहीं स्वर्णकार समाज मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में अध्यक्ष देवदत्त सोनी की विशेष उपस्थिति ने

कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। समारोह में मैहर नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, पूर्व अध्यक्ष मुरारी सोनी, देवेश सोनी, मोना सोनी, वैभव सोनी, जवाहर सोनी, अनुपम सोनी एवं सुनील सोनी उर्फ डब्ल्यू भैया सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज हित में कार्य करने, सामाजिक एकता को मजबूत बनाने तथा युवा पीढ़ी को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्णकार समाज शिक्षा, सामाजिक सेवा और संस्कृतिक मजबूती के माध्यम से नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

रागिनी परमार द्वारा नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने पर किया गया सम्मान

भारत स्वाभिमान पतंजलि योगपीठ की मासिक बैठक संपन्न



अपने विचार साझा किए। वहीं किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी महेश अमृतिाया ने जैविक खेती के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में योग परिवार की बेटी बहिन रागिनी परमार द्वारा नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने पर व शासकीय महाविद्यालय से MBBS की डिग्री कोर्स करने के अचीवमेंट पर भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति द्वारा उनका सम्मान किया

गया। रागिनी ने अपने विचारों में कहा कि योग करने से मुझे यह सफलता हासिल करने में मानसिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा, योग व्यक्ति को तनाव मुक्त करता है और योग से हमारा गहरा संबंध होना चाहिए। वहीं सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सहयोग शिक्षकों में प्रवीण सक्सेना, संगीता नेमा ,गौरीशंकर नेमा ,अंतर सिंह केलकर, नितिशा परमार ,माधुरी

खंडेलवाल को हरिद्वार से प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। शुजालपुर के योग शिक्षक जयप्रकाश परमार का उनके योग सेवा के लिए सम्मान किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी कन्हैयालाल पंडितार ने की। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु धाम से हमारे लिए कुछ गुरु आज्ञा मिलती है उसे हम आप तक एक डाकिया के रूप में पहुंचाते हैं ,जिसमें गुरु पूर्णिमा महोत्सव, 4 अंगारत श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी का जन्म दिन जड़ी बूटी दिवस के रूप में बड़े धूमधाम से मनाना है। जिले में सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण अगले माह लगने वाले है, जिसमें सभी जिला तहसील प्रभारी अपना-अपने प्रवास के दौरान सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की सूची तैयार करें, प्रति माह अपनी अपनी रिपोर्ट बैठक में जरूर प्रस्तुत करें।

श्रृंगीरहृषि द्वारा सहयोग किया। कार्यक्रम शुभारंभ आर्ट ऑफलिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के चित्र पर पुष्प तथा माल्यार्पण करके किया गया। जिसमें प्रधानाध्यापक रामकिशन कुशवाहा, केलाश नारायण